10th Aug 2018

प्रेस विज्ञप्ति

नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो लाइन की यात्रा में आज एक महत्वपूर्ण पड़ाव है जिसमें एन0एम0आर0सी0, डी0एम0आर0सी0 के साथ इस 30 किमी0 लाइन के पूर्ण रूप से संचालन के लिए एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किये गये। अब डी0एम0आर0सी0 परिचालन और रखरखाव के 100 अधिकारी और पर्यवेक्षक एनएमआरसी के नवनियुक्त कर्मचारियों के लिए 01 वर्ष तक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे और जिसके विस्तार के लिए 01 वर्ष से आगे तक का प्रावधान भी है। एन0एम0आर0सी0 की तरफ से श्रीमान आलोक टंडन प्रबन्ध निदेशक महोदय की उपस्थिति में श्री पी.डी. उपाध्याय, कार्यकारी निदेशक एन0एम0आर0सी0 द्वारा एम0ओ0यू0 पर श्री ए.के.गर्ग निदेशक (ओपीएस) डी0एम0आर0सी0 की उपस्थिति में श्रीमान विकास कुमार ईडी (ओपीएस) डी0एम0आर0सी0 ने एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किए ।

डिपो स्टेशन और सेक्टर–81, के बीच 30 किलोमीटर ट्रायल रन चल रहा है और प्रत्येक सप्ताह मानिटीरिंग की जा रही है जिससे मेट्रो कार्यों में कभी इतने कम समय से पहले नहीं किया गया है।

आर0डी0एस0ओ0 (रिसर्च डिज़ाइन और स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन), रेल मंत्रालय द्वारा नामित नोडल एजेंसी, द्वारा ट्रायल पहले ही 10 किमी (सेक्टर -147 में डिपो स्टेशन) पर चल रहा है ।
दोनों सबस्टेशन (आरएसएस) को चालू कर दिया गया है और दोनों स्रोतों से ट्रेन संचालन और स्टेशन की आवश्यकताओं के लिए बिजली उपलब्ध कर दी गयी है। सभी 21 स्टेशनों पर सहायक सबस्टेशन (एएसएस) चालू कर दिया गया है। औसत समय में, डी0एम0आर0सी0 के माध्यम से एन0एम0आर0सी0 द्वारा संचालन और रखरखाव के लिए अन्य कार्यकारी कर्मचारियों की भर्ती की गई है और उनका प्रशिक्षण प्रगति पर है।

वाणिज्यिक संचालन तुरंत शुरू करने के लिए कुल 11 ट्रेनों की आवश्यकता है। अभी तक, 5 ट्रेनें पहले से ही व्यापक परीक्षण कर रही हैं, जबकि अगली 6 ट्रेने सितंबर 2018 तक डिपो में आ जायेंगी ।
एक्वा लाइन में 19 रेक होंगे , प्रत्येक में 4 कोच होंगे। ये स्टेनलेस स्टील से बने सभी हल्के कोच हैं। प्रत्येक ट्रेन जी0आई0एस0 से सुसज्जित है, और आपरेशन नियंत्रण केंद्र से एक आपातकालीन घोषणा प्रणाली है। इसके अलावा, सभी स्टेशन प्लेटफॉर्म स्क्रीन वाले दरवाजे उपलब्ध होंगे।

सिग्नलिंग ट्रायल सितम्बर, 2018 तक पूरा हो जायेगा उसके बाद सफलतापूर्वक ट्रायल के आधार पर यह कॉरिडोर सी0एम0आर0एस0 को प्रस्तुत किया जायेगा।

10th Aug 2018

Press-Release

Today is an important milestone in the journey of Noida Greater Noida Metro Line where in NMRC has signed MOU with DMRC for taking up the Operation of this 30 km line on full fledged basis. Now DMRC operations and Maintenance staff comprising of around 100 officers and supervisors would provide hand holding support including training to the freshly recruited NMRC work force over the next one year with a provision for future extension. The MOU was signed by ED (OPS) DMRC Mr. Vikas Kumar and ED NMRC Mr.P.D. Upadhyay in the gracious presence of MD NMRC Mr. Alok Tandon and Dir (OPS) DMRC Mr.A.K.Garg.

At the progress front, Extensive trials are ongoing between Depot station and Sec 81 station (23 Km) and likely to be extended over the entire corridor (30 km) by next week marking a significant milestone in the time bound completion of Metro works since signalling trials over such a long corridor has not been done earlier in such a short span of time.

RDSO (Research Designs and Standards Organisation), the nodal agency nominated by the ministry of Railway has already conducted oscillation trials on a stretch of 10Kms (Depot Station to Sector-147) and the report is expected shortly. Both the Receiving substation (RSS) have now been commissioned and power can be made available from both the sources to the train operations and station requirements. Auxiliary Substation (ASS) at all 21 stations have also been commissioned. In the mean-time, non executive staff for operation and maintenance has been recruited by NMRC through DMRC and their training is under progress.

A total of 11 Trains are required to start the commercial operations immediately. As on date, 5 Trains are already undergoing extensive testing, while the next 6 trains are expected to be delivered at the depot in the month of Sept'18.The Aqua line will have 19 rakes with 4 cars each. These are all the lightweight cars made up of stainless steel. Each train is equipped with a passenger information system, a public address system, and an emergency announcement system from operation control centre. Besides, all the stations shall be equipped with platform screen doors.

The Signalling trials are likely to be completed by Sept. 2018 after which the section can be offered to CMRS for inspection based on success of these trials and timely availability of report from Independent Safety Assessor (ISA).

In the mean time, NMRC has also gone ahead with tenders for semi naming rights for all stations as well as other related activities for operations of this line.